Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—6707

PAPER—III

ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The extent of our knowledge of the Indus Civilization is limited, because although a number of excavations have been carried out the range of objects which have survived is considerably more restricted thus in either Egypt or Mesopotamia; there is a total absence of pictorial representations of the life of people, and such sort inscriptions as survive, mainly seals are still unread. Technically, however the Harappan Civilization was not backward. As Garden Childe so rightly pointed out, India produced a "thorougly individual and independent civilization of her own. "Technically the peer of the rest" although resting upon the same fundamental ideas, discoveries and inventions as those of Egypt and Mesopotamia. We are now in a position to add to his statement that the extent and uniformity in terms of town planning, crafts and industries of the Harappan Culture, far exceeded either. The most important single discovery must have been the exploitation of the Indus Flood Plains for agriculture, offering a vast potential production of Wheat and Barley. Many pieces of equipment, such as the bullock carts, provided prototypes for subsequent generations of Indian craftsman, to spread through the whole sub-continent and survive into the twentieth century.

सिन्धु सभ्यता के विषय में हमारा ज्ञान सीमित है, क्योंकि यद्यपि कई स्थानों पर उत्खनन् किए गए हैं, मिस्र एवं मेसोपोटामिया की तुलना में उनसे प्राप्त पुरावस्तुओं की विविधता और भी सीमित है। इस सभ्यता में जन-जीवन चित्रयुक्त प्रर्दशन का पूर्ण अभाव है और जो छोटे बड़े अभिलेख मिले भी है, विशेषत: मुहरों पर उनका उद्वाचन अभीतक नहीं हो सका है। फिर भी तकनीकी प्रगति की दृष्टि से हड़प्पा संस्कृति पिछड़ी हुई नहीं है। जैसा कि गार्डन चाइल्ड ने ठीक ही लिखा है, भारत ने एक ''सर्वथा मौलिक और स्वतंत्र संस्कृति को जन्म दिया जो सभी संस्कृतियों के समक्ष थी, ''यद्यपि वह उन्हीं मौलिक विचारों आविष्कारों और अन्वेचणों पर आधारित थी जिन पर मेसोपोटामिया और मिस्र की संस्कृतियाँ आधारित थीं। अब हम उनके कथन में इतना और जोड़ सकने की स्थिति में हैं कि नगर-योजना, शिल्प, उद्योगों में एक रूपता तथा विस्तार के क्षेत्र में यह उन दोनों सभ्यताओं से आगे थी। परन्तु सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोज रही होगी सिन्धु-उपत्यका का कृषि-कर्म के लिये उपयोग, जिसमें जौ-गेहूँ की खेती की अपार सम्भावनायें निहित थी। बैलगाड़ी जैसे उपकरणों ने भारती शिल्पियों की परवर्ती पीढ़ियों के लिये आदि-रूप का काम, जो सम्पूर्ण उपमहाद्वीप में बीसवीं शताब्दी तक जीवित रहा।

1. Compare the nature of Archeological Evidence from the Harappan Sites with that from West Asia.

हड़प्पीय पुरास्थलों से प्राप्त पुरातात्विक प्रमाणों को पश्चिम एशिया के प्रमाणों से तुलना कीजिए।

2. Enumerate the Harappan objects which have survived in India at present.

जो हड़प्पीय वस्तुएँ में भारत में वर्तमान काल तक जीवित रही, उनकी परिगणना कीजिए।

3. What are the Harappan Cultural elements which display better uniformity with those of West Asia ?

हड़प्पा संस्कृति के वे कौन से तत्व हैं जो पश्चिम एशिया के प्रमाणों से अधिक एक रूपता दिखाते हैं?

4. The Harappan Civilization was not backward. Explain.

हड़प्पा संस्कृति पिछड़ी हुई नहीं थी। इस कथन की व्याख्या कीजिए।

5. What were the main factors responsible for the flourishing agriculture of the Harappans ?

हड़प्पा संस्कृति के विकसित कृषि-कर्म के लिये कौन से तत्व प्रमुख रूप से उत्तरदायी हैं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Define the importance of Archaeology.

पुरातत्व के महत्व को परिभाषित कीजिए।

7. Define Levallois Technique.

लेवालोवा तकनीक को परिभाषित कीजिए।

8. Distinguish between man made stone tools and naturally broken stone piece.

मानव मिर्मित पाषाण उपकरण एवं प्राकृतिक रूप से टूटे पत्थर के टुकड़े में अन्तर कीजिए।

9. What is the significance of pleistocene in Pre-history ?

प्रागऐतिहास में प्रातिनूतन काल का क्या महत्व है?

10. What are the tools the early man used in Olduvai-garge ?

आल्डू वाई गार्ज में प्रारम्भिक मानव ने किस प्रकार का औज़ार प्रयोग किया?

11. What is Villa Franchain fossils ?

विलाफ्रांसाई जीवाश्म क्या है?

12. What do you understand by the dolemenoid type of burial ?

डाल्मेनॉयड शवदाह से आप क्या समझते हैं?

13. Mention the significance of Neolithic Age.

नवपाषाण काल के महत्व को बताइए।

14. Mention the importance of Arikamedu Site.

एरिकामेडू पुरास्थल के महत्व को बताइए।

15. What is Nagara Style of architecture ?

नागर शैली स्थापत्य क्या है?

16. Write the importance of Dharmaraja Ratha.

धर्मराज रथ के महत्व को लिखिए।

17. Mention the importance of Bagh paintings.

बाघ चित्रकला के महत्व को लिखिए।

18. Write the importance of Tanjavur inscription of Rajendra Chola.

तंजौर के राजेन्द्र चोल के अभिलेख के महत्व को लिखिए।

19. Bring out the importance of Huvishkas gold coins.

हुविष्क के सोने के सिक्कों को निरूपित कीजिए।

20. Write the importance of ship mark on the Satavahana Coins.

सातवाहनों के सिक्कों पर पाए गए 'पानी के जहाज़' का क्या महत्व है?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Do you agree that the upper-palaeolithic phase is well represented in India.
उच्च पुरा पाषाण संस्कृति अच्छे ढंग से भारत में पायी जाती है। क्या इस विचार से आप सहमत हैं?

22. Reconstruct the Palaeo-Climate and stone age culture sequence of Sohan Valley.
पुरा-जलवायु तथा पाषाण कालीन संस्कृति का क्रमानुसार पुनर्निमाण कीजिए।

23. Evaluate the dwelling tendencies of the Neolithic inhabitants of Kashmir Valley.
कश्मीर घाटी के नवपाषाण कालीन लोगों की आवासीय प्रवृत्ति (मनोवृत्ति) का मूल्यांकन कीजिये।

24. Discuss the main features of the burial practices prevalent in the Mesolithic times in India.
भारत में मध्यपाषाण काल में, प्रचलित शवाधान प्रक्रिया का विवेचन करें।

25. Critically examine evidence for the Neolithic patterns of ChotaNagpur plateau.
छोटानागपुर के पठार के नवपाषाण कालीन ढाँचा का आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करें।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. What is relative dating ? Describe its principles.
सापेक्ष तिथि क्या है? इसके सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

22. What is New Archaeology ? Narrate its main features.
नव-पुरातत्त्व क्या है? इसके प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए।

23. Give an account of indigenous Pre-Harappan Chalcolithic cultures of Gujarat.
गुजरात के स्थानीय प्राग-हड़प्पा ताम्रपाषाणिक संस्कृतियों का विवरण कीजिए।

24. Outline the distinctive features of Harappan religion.
हड़प्पीय धर्म प्रमुख तत्वों को लिखिए।

25. Evaluate the Malwa Chalcolithic Culture in the light of the available archaeological data.
उपलब्ध पुरातात्विक प्रमाणों के प्रकाश में मालवा ताम्रपाषाणिक संस्कृति का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Discuss the role of iron in the rise of second urbanisation in the Ganga Valley.
गंगा घाटी में द्वितीय नगरीकरण के विकास में लोहे की भूमिका की विवेचना कीजिए।

22. Give an account of the Taxila excavations.
तक्षशिला उत्खनन का विवरण दीजिए।

23. Examine the significance of Sishupalgarh excavation.
शिशुपालगढ़ उत्खनन के महत्व का परीक्षण कीजिए।

24. Discuss main features of the growth of the trade centres during the Kushana period.
कुषाण काल में व्यापारिक केन्द्रों के विकास के मुख्य लक्षणों का विवेचन करें।

25. The material culture of the Gupta Period represents the urban decay, examine.
गुप्त काल को भौतिक संस्कृति में नगरों की अवनति दीखती है। इस कथन का परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Describe the stupa at Amaravati.
अमरावती के स्तूप का वर्णन कजिए।

22. Write a note on the rock-cut caves at Badami.
बादामी की शैल गुहाओं पर टिप्पणी लिखिए।

23. Describe the characteristic features of the Orissan Temples.
उड़ीसा के मंदिरों के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।

24. Write a note on the Gandhara school of Sculpture.
गांधार शैली की मूर्तिकला पर एक टिप्पणी लिखिए।

25. Discuss the importance of Ajanta Paintings.
अजन्ता की चित्रकला के महत्व की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Write a note on the origin of the Brahmi Script.
ब्राहमी लिपि की उत्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए।

22. Discuss the importance of numismatic source for the reconstruction of Indian History.
भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में मुद्रा के महत्व की विवेचना कीजिए।

23. Evaluate the contents of the Hathi - gumpha inscription of Kharvela.
खारवेल हाथी–गुम्फा अभिलेख की विषय–वस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the importance of Aihole inscription of Pulakeshin II.
पुलकेशिन II के ऐहोलि अभिलेख के महत्व की विवेचना कीजिए।

25. Write a note on the Chandragupta II silver coin.
चन्द्रगुप्त II के चाँदी के सिक्के पर टिप्पणी लिखिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Discuss the importance of Koldihwa and Chopani Mando in the light of recent archaelogical investigations, in the Gangetic valley.

गंगाघाटी में हाल में किये गये अन्वेषणों के आधार पर कोल्डिह्व तथा चोपानी माण्डो के पुरातात्विक महत्व का विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

(b) Examine the different theories propounded for the decipherment of the Indus Valley script.

सिन्धु घाटी लिपि के उद्वाचन संबन्धी विभिन्न सिद्धान्तों का विचार पूर्वक परिक्षण करें।

OR / अथवा

(c) Write a critical essay on the urban settlement of Kushana period in the light of recent researches.

हाल में किये गये खोजों के आधार पर कुषाण कालीन आवासीय नागर व्यवस्था पर समीक्षात्मक निबन्ध लिखें।

OR / अथवा

(d) Discuss the main characteristic features of the Gupta Temples.

गुप्त कालीन मन्दिरों के मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

(e) What light, the gold and silver coin of the imperial Guptas throw on socio-economic and cultural aspect of the contemporary society ? Discuss in brief.

गुप्त साम्राज्य (इम्पिरियल गुप्त राजाओं) के सोने तथा चान्दी के सिक्कों के अध्ययन से तत्कालीन समाज, आर्थिक तथा धार्मिक स्थिति का ज्ञान होता है। संक्षेप में विवेचन करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....